सीमाएँ

7 अक्टूबर 2017

«» , — , : , , , , ; , , , ,- —

— -, — , , : ? ? ?

एक वक्ता सीमा-क्षेत्रों में बड़े होने का अर्थ बताते हुए कहते हैं: मेरे दादा को निर्वासित किया गया। मेरे पिता शरणार्थी बने। मैं एक ऐसे भय के साथ बड़ा हुआ जिसका मैं नाम भी नहीं रख सका। सीमाएँ शरीरों और पीढ़ियों के बीच से गुज़र गईं।

? , ? , ? ; «-» — , , ,

-- - « » « » — - ? - , , «» , — — ,

-

: - ,-

भोजन एकत्र होता है, साथ पकता है, गाँव के सबसे ग़रीब परिवार के घर ले जाया जाता है। बूढ़ा कहता है: शायद इन छोटे पशुओं के लिए ईश्वर हमारी प्रार्थना स्वीकार कर लें। यह संकल्पना के रूप में न्याय नहीं, जिए हुए अभ्यास के रूप में न्याय है। पारस्परिक निर्भरता का पवित्रीकरण।

- - — , , - , - ; ,, — ,

— , , ; , ?, , - — ,

- - , — , , , , ,,

एक बिंदु पर हम सीमाओं को प्रलेखित नहीं कर रहे थे — सीमाएँ हमसे पार हो गई थीं। फिल्माए गए दृश्य और जिए गए अनुभव के बीच की खाई ही प्रमुख सामग्री बन गई। हम वही बन गए जिस पर काम कर रहे थे।

- — ? ? ? ,

«» , , — , — , -: , ,

- , —-

सफ़ेद पंख प्रवेश पर — कोमलता, परवाह, आरंभ। काले पंख निकास पर — सघनता, अंत। दर्शक पंखों के बीच से होकर तारों की ओर चले। ब्रह्मांडीय परिप्रेक्ष्य सीमाओं को असंगत बना देता था।

- ,-,- — ,-

शरणार्थी परिवार से आई एक कलाकार के लिए सीमा कभी अमूर्त संकल्पना नहीं रही। इज़मीर में बड़ी हुई कृति कभी पूरी तरह वहाँ की नहीं हुई। परिवार में संक्रमित होने वाला विस्थापन-अनुभव सदा सीमा के शारीरिक आयाम की स्मृति दिलाता है। नामक अपने काम में — शीर्षक बिलि होलडे के गीत से लिया गया — वह संसार को उल्टा करती है। दक्षिणी गोलार्ध ऊपर, उत्तरी नीचे। यह वही ग्रह है, कृति जब दृष्टिकोण बदलता है, तंत्रिका-तंत्र

-

:, , -, : , ?

-

- - , -

शिनाक-हक्कारी सीमा पर ग्यारह बाँध बनाए गए हैं — शून्य जल-प्रबंधन-कार्य वाले बाँध। पूरी तरह सैन्य। सुरक्षा बाँध की संकल्पना विश्व-साहित्य में नहीं है। हमने उसे संयोगवश आविष्कृत किया।

, , -- ,, — - -, ,- - —,,, — : , -

- - - —-

- :, ,, - ? ? , ? — , - -- -- — ; - -

- - — ,

एसोसिएट प्रोफ़ेसर की परीक्षा में पूछा गया: आप स्वयं को कैसे स्थापित करते हैं? सबसे ईमानदार उत्तर निकला: मैं स्वयं को तारकधूल के रूप में स्थापित करता हूँ। मेरा अभ्यास स्थिर स्थापन को अस्वीकार करता है, बिखरा हुआ और मूल स्तर पर रहता है।

, — , , , - - :

,,- — , -, ,// —

, - , - — ,, , , — « » «» -

- — , , - - , : , —-, , —

?

: , ? - — - — ,- , , — , ,

पशु सीमाएँ नहीं जानते — जल दीवारों के नीचे से बहता है। यदि हम पारिस्थितिकी को सीमाओं से पुनर्संरचित करें, तो हम सब-कुछ रूपांतरित करते हैं।

-- -- —,, — -

- , , «» , - ;

, , : ?-- , , , , — --,

मैं अकेला महसूस कर रही थी। यह सभा अकेलेपन को तोड़ती है और दिखाती है कि विभिन्न विधाओं में समानांतर कार्य हो रहे हैं। हमें इसे अकेले करने की आवश्यकता नहीं है।

: , , - - , - – ,

– , , , ,,, –

: - , – -